materials and consumables at international prices and duty drawback.

British Equipment taken by extremists to Pakistan for setting up pirate radio stations

3803. SHRI SURESH PACHOURI :
SHRI SURESH KALMADI :

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether Government are aware that Sikh extremists have taken to Pakistan the equipment brought from Britain for the setting up of pirate radio stations on Indo-Pak border;

(b) if so, whether the equipment was taken to Pakistan in the last three months;

(c) whether it is expected that each station would have an estimated range of 200 miles; and

(d) if so, whether any action is proposed to be taken by Government in this regard ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. CHIDAMBARAM) : (a) to (d) Sikh extremists are reported to have taken to Pakistan some radio communication equipment from Britain possibly for use as radio stations on the Indo-Pak border Government have taken up the matter with the Government of Pakistan and precautionary measures within the country are also being taken.

खनिज तथा धातु व्यापार निगम द्वारा उत्तरी कोरिया से चावल का आयात

3804. **श्री शरद यादव** : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि खनिज तथा धातु व्यापार निगम उत्तर कोरिया से 70 करोड़ रुपए मूल्य के चावल का आयात करने का विचार रखती है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस चावल के भारत में पहुचने तक प्रत्येक किलोग्राम चावल पर पूरा खर्च भारत को ही वहन करना पड़ेगा ; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री दिनेश सिंह); (क) से (ग) धातु एवं खनिज व्यापार निगम ने जून 1988 में उत्तरी कोरिया से 200,000 मी. टन चावल आयात करने के लिए संविदा की है। इन आयातों का कुल मूल्य लगभग 70 करोड़ रुपए होगा। इस संविदा में यह भी शर्त है कि चावल के मूल्य का 15% भारत से कोरिया जनवादी लोकतन्त्रीय गणराज्य को लौह अयस्क, मैंगनीज अयस्क गोलियां आदि के निर्यात की वित्त व्यवस्था करने के लिए प्रयोग किया जाएगा।

भारत का विदेशों के साथ व्यापार

3805. **श्री भंवर लाल पंवार** : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन देशों के नाम क्या हैं जिनके साथ 1985 से 1987 तक, वर्ष-वार, वस्तु विनिमय द्वारा व्यापार किया गया ;

(ख) उपर्युक्त भाग (क) में उल्लिखित अवधि के दौरान भारत में आयात की गयी वस्तुओं तथा भारत से निर्यात की गयी वस्तुओं के अलग-अलग मूल्य क्या है ;

(ग) क्या इस प्रकार के व्यापार से भारतीय उद्योग को प्रोत्साहन मिला है तथा लाभ हुआ है ; और

(घ) क्या सरकार की इस प्रकार का व्यापार और अधिक विदेशी सरकारों के साथ आरम्भ करने की कोई योजना है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री दिनेश सिंह) : (क) से (घ) किसी भी देश के साथ वस्तु-विनिमय द्वारा व्यापार नहीं किया जाता है। तथापि, रुपया व्यापार प्रणाली के अंतर्गत सोवियत संघ, पोलैण्ड, चेको-स्लोवाकिया, रोमानिया और जर्मन जनवादी गणराज्य जैसे देशों को आयात के लिए अपरिवर्तनीय रुपए में भुगतान किये जाते हैं। इन निधियों का उपयोग भारत से वस्तुओं के निर्यात के लिए किया जाता है।

पूर्वी एशिया, पश्चिमी यूरोप, सं. रा. अमरीका आदि की अनेक कंपनियों के साथ भारतीय सरकारी क्षेत्र के संगठनों द्वारा कई प्रति-व्यापार सौदों पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं। इन सौदों के अंतर्गत, निर्यात वस्तुएं आयात से जुड़ी हैं।

विदेशों के साथ वस्तु-विनिमय द्वारा व्यापार आरम्भ करने की सरकार की कोई योजना नहीं है।

Training, Research and Development Organisations

3806. SHRI PRABHAKAR RAO KALVALA : Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) what are the Training, Research and Development Organisations under the control of the Ministry and the details thereof; and

(b) what has been their output since last two years, with the details in each case ?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI DINESH SINGH) : (a) and (b) The Indian Institute of Foreign Trade is a specialist organisation under the Commerce Ministry which is engaged in the following activities :

(i) Training of personnel in modern techniques of international trade;

(ii) Organisation of Research in problems of foreign trade ;

(iii) Organisation of marketing research, area surveys, commodity surveys and market surveys; and

(iv) Dissemination of information arising from its activities relating to research and market studies.

The Indian Institute of Packaging is a specialist institution under the Commerce Ministry which has been established to undertake research on raw material for the packaging industry and to organise training programmes on packaging technology.

The Annual Reports of these two organisations for the. years 1985-86 and 1986-87 have already been placed on the Table of the House and set out the details of their activities and achievements.

The Export Promotion Organisations under the Ministry of Commerce, such as Commodity Boards, Export Promotion Councils, Authorities and other agencies also take up market studies, product development work, research and training activities within their overall promotional functions.

Pay scale of NGO's and teachers in Tamil Nadu

3807. SHRI M. VINCENT : Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that as per the Eighth Finance Commission Report, the